A–605

Total Pages : 2 **Roll No. .....**

MAJY–604

संहिता स्कन्ध–01

MA JYOTISH (MAJY)

3rd Semester Examination, 2024 (June)

Time : 2:00 Hrs. Max. Marks : 70

नोट : – यह प्रश्न-पत्र सत्तर (70) अंकों का है, जो दो (02) खण्डों 'क' तथा 'ख' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। ***परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर-पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।***

खण्ड–क

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न) 2×19=38

नोट : – खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **दो** (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. मेघ के कितने भेद होते हैं ? उनके लक्षण एवं गुणों की विस्तृत विवेचना कीजिए।

2. वृष्टिज्ञान के शास्त्रीय आधार को प्रकाशित कीजिए।

3. वृहत्संहिता के अनुसार दकार्गल का विस्तार से वर्णन कीजिए।

4. शक्–संवत् से आप क्या समझते हैं ? शक्–संवतादि को प्रतिपादित कीजिए।

5. संहिता ज्योतिष के प्रतिपाद्य प्रमुख विषयों का उल्लेख करें।

खण्ड–ख

(लघु उत्तरीय प्रश्न) 4×8=32

नोट : – खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **चार** (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. अंतरिक्ष उत्पात से आप क्या समझते हैं ? स्पष्ट कीजिए।

2. शनिचार पर प्रकाश डालें।

3. नक्षत्र गत पदार्थों का विश्लेषण कीजिए।

4. पंचताराग्रह के योग से वृष्टि का विचार कैसे करते हैं ? वर्णन कीजिए।

5. गन्धर्वनगर लक्षण पर टिप्पणी लिखें।

6. दकार्गल के प्रयोजन को स्पष्ट कीजिए।

7. गुरुवर्षफल पर प्रकाश डालें।

8. दैवज्ञ प्रशंसा को प्रतिपादित कीजिए।

****